लॉर्ड स्वराज पाल

KV KNWOLEDGEWARE

अप्रवासी भारतीय उद्यमी लॉर्ड स्वराज पाल इंटरनेशनल इंडियन ऑफ द डिकेड सम्मान से सम्मानित

अप्रवासी भारतीय उद्यमी एवं पद्म विभूषण लॉर्ड स्वराज पाल को "दशक के अंतरराष्ट्रीय भारतीय पुरस्कार" (इंटरनेशनल इंडियन ऑफ द डिकेड) से 15 नवंबर 2013 को सम्मानित किया गया. उन्हें यह पुरस्कार उद्योग, शिक्षा और समाजिक कार्यो में उनके द्वारा दिए उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया. ब्रिटेन में भारत के कार्यकारी उच्चायुक्त वीरेंद्र पॉल ने स्थानीय पत्रिका इंडिया लिंक इंटरनेशनल की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर लॉर्ड स्वराज पॉल को "दशक के अंतरराष्ट्रीय भारतीय पुरस्कार" दिया.

लॉर्ड स्वराज पॉल ने पुरस्कार ग्रहण करते हुए कहा कि 82 वर्ष की आयु में मैं वास्तव में इस पुरस्कार को एक अद्भुत व्यक्ति, अपनी पत्नी अरुणा को समर्पित करना चाहता हूं. पत्नी के सहयोग के बिना आप कुछ भी नहीं हैं.

लॉर्ड स्वराज पाल से संबधित मुख्य तथ्य

• लॉर्ड स्वराज पॉल वर्ष 1996 में ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्डस के सदस्य बने.

• लॉर्ड स्वराज पॉल ने वर्ष 1994 में लंदन जू को बंद होने से बचाने के लिए 10 लाख पौंड का दान दिया था.

• वर्ष 2008 में वह हाउस ऑफ लार्डस में भारतीय मूल के पहले डिप्टी स्पीकर बने.

• लॉर्ड स्वराज पॉल को भारत सरकार ने वर्ष 1983 में पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया.

• वह वर्ष 2009 में प्रिवी काउंसिल के सदस्य बने.

• लॉर्ड स्वराज पॉल वर्ष 2000 से 2008 तक लंदन डेवलपमेंट एजेंसी के सदस्य रहे.

• वह वर्ष 2005 से 2008 के बीच एलडीए ओलंपिक डिलीवरी कमेटी की अध्यक्षता की. यह कमेटी लंदन ओलंपिक खेलों के लिए बजट, जमीन और आधारभूत संरचनाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार थी.

• लॉर्ड स्वराज पॉल को वर्ष 1999 में यूनिवर्सिटी ऑफ वोल्वर हैम्पटन का कुलाधिपति नियुक्त किया गया.

• वर्ष 2006 में वह यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टमिन्स्टर के कुलाधिपति (चांसलर) नियुक्त किये गए.

• वह वर्ष 1992-97 में टेम्स यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलाधिपति (प्रो-चांसलर) और 1998 में कुलाधिपति (चांसलर) रहे.

• लॉर्ड स्वराज पॉल को ब्रिटेन, भारत, अमेरिका और स्विटजरलैंड के विश्वविद्यालयों द्वारा 15 मानद डिग्रियां प्रदान की गई, जिसमें मैसाच्येट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी से कारपोरेट लीडरशिप अवॉर्ड शामिल है.

• लॉर्ड स्वराज पॉल द्वारा स्थापित स्टील एवं इंजीनियरिंग समूह कपारो में ब्रिटेन, अमेरिका और भारत के करीब 10,000 लोगों को रोजगार मिला हुआ है.